

दिनांक 18 दिसंबर 2024 को भा कृ अनु प - केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान द्वारा मुंबई में छात्र भर्ती मेला का आयोजन

भा कृ अनु प -केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान (सीआईएफई), मुंबई ने 18 दिसंबर 2024 को " छात्र भर्ती मेला: संपन्न जलीय कृषि क्षेत्र में अवसरों को खोलना" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह अग्रणी आयोजन शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में कार्य करता है, जो मत्स्य स्नातकों को नौकरी के अवसरों का पता लगाने के लिए एक अमूल्य मंच प्रदान करता है जबकि भर्तीकर्ताओं को उभरती प्रतिभाओं से जुड़ने में सक्षम बनाता है। कार्यक्रम का उद्घाटन भा कृ अनु प के के उप महानिदेशक (मत्स्य पालन) डॉ. जॉयकृष्ण जेना ने आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के निदेशक डॉ. रविशंकर सी.एन. और डॉ. एन.पी. साहू, संयुक्त निदेशक की गरिमामयी उपस्थिति में किया। आईसीएआर-सीआईएफई में मत्स्य पोषण, जैव रसायन एवं कायिकी (एफएनबीपी) के विभागाध्यक्ष और कार्यक्रम के संयोजक डॉ. केदारनाथ मोहंता ने सभी प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कार्यक्रम का स्वरूप प्रस्तुत किया। अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. जेना ने मत्स्य पालन क्षेत्र के अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाने के लिए शोधकर्ताओं, उद्योगों और छात्रों के बीच सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस सार्थक कार्यक्रम की शुरुआत करने के लिए आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई की सराहना की और इसे उद्योगों और छात्रों को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण पुल बताया। डॉ. रविशंकर ने उद्योग-संचालित अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया और कम समय में आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में उनकी उत्साही भागीदारी के लिए छात्रों और उद्योग प्रतिनिधियों दोनों के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. साहू ने कार्यक्रम के पीछे का औचित्य विस्तार से बताया और भर्ती मेले को एक वार्षिक कार्यक्रम बनाने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने छात्र शोध परियोजनाओं को वित्तपोषित करने में उद्योगों द्वारा दिखाई गई रुचि को भी स्वीकार किया और अनुबंध और परामर्श अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से अकादमिक-उद्योग सहयोग को और अधिक बढ़ाने का आह्वान किया। मेले में देश भर से 37 उद्योगों और 288 स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों ने भाग लिया, जो विभिन्न मत्स्य विज्ञान विषयों में विशेषज्ञता रखते हैं। साक्षात्कार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से आयोजित किए गए, जिसमें जलीय कृषि, पोषण, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन, स्वास्थ्य और पर्यावरण, आनुवंशिकी और जैव प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख विषयगत क्षेत्रों को शामिल किया गया। प्रारंभिक अनुमानों से पता चलता है कि इस आयोजन के परिणामस्वरूप भाग लेने वाले उद्योगों द्वारा 60-70 छात्रों की भर्ती होने की संभावना है। उद्योगों और छात्रों दोनों की प्रतिक्रिया अत्यधिक सकारात्मक थी, जिसमें प्रतिभागियों ने इस आयोजन के प्रति अपना आभार और उच्च संतुष्टि व्यक्त की। कई लोगों ने इस ऐतिहासिक पहल के आयोजन के लिए आईसीएआर-सीआईएफई को धन्यवाद दिया।







